विषय-सूची

पहला अध्याय

भूमिका (१—३३)

१ राजनैतिक परिस्थिति—१, २ आर्थिक परिस्थिति—४, ३. धार्मिक परिस्थिति—५, ४. सामाजिक परिस्थिति—८

५. साहित्यिक परिस्थिति

क. कविता ८

ख. निबन्ध १४

ग. नाटक १६

घ. कथासाहित्य १८

ङ. आलोचना २०

च. पत्रपत्रिकाएं २२

छ. विविधविषयक साहित्य २८

ज. प्रचारकार्य २९

झ. गद्यभाषा ३०

ञ. हिन्दी-साहित्य की शोचनीय दशा ३२

६. पंडित महावीर प्रसाद द्विवेदी का पदार्पण—३३

दूसरा अध्याय

चरित और चरित्र (३४—६१)

१. द्विवेदी जी का जन्म—३४, २. उनके पितामह और पिता का संक्षिप्त परिचय—३४, ३. प्रारम्भिक शिक्षा—३५, ४. अंग्रेजी शिक्षा—३५ ५. स्कूल का त्याग और नौकरी—३६, ६. नौकरी से त्यागपत्र—३६, ७. 'सरस्वती'-सम्पादन—३७, ८. जीवन के अन्तिम अठारह वर्ष—३७, ९. महाप्रस्थान—३८, १०. दाम्पत्य जीवन—३८, ११. पारिवारिक जीवन—४०, १२. वृद्धावस्था में ग्राम्य जीवन और ग्रामसुधार—४१, १३. आकृति, गम्भीरता—४२, १४. हास्य-विनोद—४२, १५. स्वाभिमान, वीरभाव—४३, १६. भगवद्भक्ति—४३,

१७ उग्रता क्रोध ४८ १८ क्षमा दया ४५, १६ कर्तव्यपरायणता न्यायनिष्ठा और म यपालन ४७, २०. व्यवस्था, नियमितता और कालपालन--४७, २१. दृढ़ता, अध्यवसाय और सहिष्णुता--४६, २२. महत्वाकांक्षा और सम्मान की अनिच्छा--५०, २३. शिष्टाचार, व्यवहारकुशलता और सम्भाषणकला--५१, २४. प्रेम, वात्सल्य, सहृदयता, सहानुभूति और गुणग्राहकता--५२, २५. निष्पक्षता और पक्षपात--५३, २६. वदान्यता और संग्रहभावना--५४, २७. मितव्ययिता और सादगी--५५, २८. देशप्रेम--५६, २६. मातृभाषाप्रेम--५७, ३०. सुधारकप्रवृत्ति--५६, ३१. आक्षेप और अपवाद-६०

तीसरा अध्याय

साहित्यक संस्मरण और रचनाएं (६२—६०)

१ द्विवेदी जी का साहित्यिक अध्ययन--६२, २. भारतीभक्त पर कमला का कोप— ३, ३. 'शिक्षा' नामक पुस्तक के समर्पण की कथा—६३, ४ 'सरस्वती' के आश्रम में—६४ ५ अयोध्याप्रसाद खत्री का महत्वहीन बवंडर---६६, ६. 'अनस्थिरता' का वितंडावाद-६६ ७ विभक्तिविचारविवाद ६७, ८. बी० एन० शर्मा पर मानहानि का दावा ६८, ६. द्विवेदी जी और काशी-नागरी-प्रचारिणी सभा ६६, १०. नागरी-प्रचारिणी सभा को द्विवेदी जी का दान—७३, ११. द्विवेदी जी की 'रसीली पुस्तकें' और कृष्णकान्त मालवीय—७३, १२. द्विवेदी जी और हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन ७५, १३. द्विवेदी-मेला—७६, १४. द्विवेदी जी की रचनाओं का संक्षिप्त विवरण (तीन अप्रकाशित रचनाएं) ७८

चौथा अध्याय

कविता (६१—११६)

१. कवि द्विवेदी की आत्मसमीक्षा, ६१, २. उनका अनभिमाननीय कवित्व ६२, ३. उनकी काव्यरचना का उद्देश ६२, ४. द्विवेदी जी की काव्यपरिभाषा ६३, ५. अर्थ की दृष्टि से द्विवेदी जी की कविता की समीक्षा—

रस ६

भाव ६५

ध्वनि ६

ग्राम्य-दोष १०

अलंकारसौन्दर्य १०१
निरलंकार सौन्दर्य १०२
गुण १०२
वर्णनात्मकता और इतिवृत्तात्मकता १०३
द्विवेदी जी की कविप्रतिभा १०४
६. द्विवेदी जी का काव्यविधान
प्रबन्ध १०५
मुक्तक १०५
प्रबन्धमुक्तक १०६
गीत १०६
गद्यकाव्य १०७
७. छन्द १०७, ८. काव्यभाषा १०८
९. द्विवेदी जी की कविता के विषय
धर्म १०९
समाज ११०
देश और स्वदेशी १११
हिन्दी भाषा और साहित्य ११४
चित्र ११४
व्यक्ति और अवसरविशेष ११४
प्रकृति ११५

पांचवां अध्याय

आलोचना (११७—१४२)

१. आलोचना का अर्थ ११७, २. द्विवेदी जी की आलोचना की ६ पद्धतियां ११८
आचार्यपद्धति ११८
टीकापद्धति १२३
शास्त्रार्थपद्धति १२५
सूक्तिपद्धति १२६
खंडनपद्धति १२९

३ युग की दृष्टि म द्विवदीकृत आलोचना का मूल्याकन १३४ ४ हिन्दी कालिदास की समालोचना १३५, ५. द्विवेदी जी की आलोचनाओं में दो प्रकार के द्वन्द्वों की परिणति १३७, ६. 'कालिदास की निरंकुशता' १३७, ७. 'नैषधचरितचर्चा' और 'विक्रमाकदेव-चरितचर्चा' १३८, ८ 'आलोचनाजलि' १३८, ९. कालिदास और उनकी कविता'—१३९, १० संस्कृत-साहित्य पर द्विवेदीकृत आलोचना के मूल कारण १४०, ११. 'हिन्दी-शिक्षावली तृतीय भाग की समालोचना' १४०, १२ 'समालोचनासमुच्चय' १४१, १३. 'विचारविमर्श' और 'रसज्ञरंजन' १४२, १४. आलोचक द्विवेदी की देन १४२

छठा अध्याय

निबन्ध (१४३—१५९)

१. निबन्ध का अर्थ १४३, २. आलोचक द्विवेदी द्वारा निबन्धकार द्विवेदी का निर्माण १४४, ३. सम्पादक- द्विवेदी के निबन्धों का उद्देश १४५, ४. द्विवेदी जी के निबन्धों के मूल १४५, ५. द्विवेदी जी के निबन्धों के रूप १४६

६. विषय

साहित्य १४६

जीवनचरित १४७

विज्ञान १४८

इतिहास १४८

भूगोल १४८

उद्योगशिल्प १४९

भाषाव्याकरण १४९

अध्यात्म १४९

७. उद्देश की दृष्टि से द्विवेदी जी के निबन्धों के प्रकार १५०

८. द्विवेदी जी के निबन्धों की ३ शैलिया—

वर्णनात्मक १५०

भावात्मक १५२

चिन्तनात्मक १५३

९ भाषा और रचनाशैली १५४ १० निबन्धों म द्विवेदी जी का स्थिर एव गतिशील

तथा व्यक्त और अव्यक्त व्यक्तित्व १५६ ११ निबन्धकार द्विवदी की देन १५८

सातवां अध्याय

'सरस्वती' सम्पादन (१६०—१९१)

१ 'सरस्वती' का जन्म और शैशव १६०, २. सम्पादक द्विवेदी के आदर्श और सिद्धान्त १६२, ३. लेखकों की कमी, द्विवेदी जी का घोर परिश्रम और लेखक-निर्माण १६५, ४. लेखकों के प्रति व्यवहार १६९, ५. 'सरस्वती' के विविध विषय और वस्तुयोजना १७१, ६ सम्पादकीय टिप्पणियां १७३, ७. पुस्तकपरीक्षा १७४, ८. चित्र १७५ ९. चित्रपरिचय १७७, १०. व्यंग्यचित्र १७८, ११. मनोरंजक श्लोक, हँसी दिल्लगी एवं विनोद और आख्यायिका १८०, १२. बालसाहित्य १८१, १३ स्त्रियोपयोगी रचनाएं १८१, १४. विषयसूची १८२, १५. प्रूफसंशोधन १८२, १६. 'सरस्वती' पर अन्य पत्रिकाओं का ऋण १८३, १७. अन्य पत्रिकाओं पर 'सरस्वती' का प्रभाव १८५, १८. 'सरस्वती' का ऊंचा मान १८९

आठवां अध्याय

भाषा और भाषासुधार (१९२—२६३)

१. द्विवेदी जी की आरम्भिक रचनाएं १९२

२. उनके भाषादोष—

क. लेखनत्रुटियां— १९३

स्वरगत १९३

व्यंजनगत १९४

ख. व्याकरण की अशुद्धियां—

संज्ञा १९५

सर्वनाम १९५

विशेषण-विशेष्य १९६

क्रिया १९६

अव्यय १९८

लिंग १९८

वचन १९९

नाटक १६६
संधि २०१
समास २०१
उपसर्ग और प्रत्यय २०१
आकांक्षा २०२
योग्यता २०२
सन्निधि २०३
प्रत्यक्षपरोक्षकथन २०३
वाच्य २०४
ग. रचनादोष—
विरामादि चिन्ह २०५
अवच्छेदन २०६
मुहावरे २०६
पुनरुक्ति २०७
कटुता, जटिलता, शिथिलता २०७
पंडिताऊपन २०८
३. भाषासुधार
क. चार प्रकार से भाषा-सुधार २०८
ख. ग्रन्थों का संशोधन २०८
ग. आलोचना द्वारा संशोधन २०८
घ. 'सरस्वती' की रचनाओं का शोधन २१२
(संशोधित भाषात्रुटियों की एक वर्गीकृत सूची—पृ० २१३—२४४ स्वर, व्यंजन, संज्ञा, सर्वनाम, विशेष्यविशेषण, क्रिया, अव्यय, लिंग वचन, कारक, सन्धि, समास, उपसर्गप्रत्यय, आकांक्षा, योग्यता, सन्निधि, वाच्य, प्रत्यक्षपरोक्षकथन, मुहावरों, कठिन संस्कृत शब्दों, अरबी फारसी शब्दों अंग्रेजी शब्दों, और अन्य शब्दों का संशोधन)
ङ. पत्रों, भाषणों आदि के द्वारा संशोधन २४५
४ द्विवेदी जी की भाषा की आरम्भिक रीति और शैली—अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत, अवधी, पंडिताऊपन २४७ ५ उनकी प्रौढ रचनाओं की रीति २५३, ६ युगनिर्माता द्विवेदी की भाषा-शैली २५५

वर्णनात्मक २५५
व्याख्यात्मक २५६
मूर्तिमत्तात्मक २५८
वक्तृतात्मक २५९
संलापात्मक २६०
विवेचनात्मक २६१
भावात्मक २६२
७. द्विवेदी जी की शैली की विशिष्टता २६२

नवां अध्याय

युग और व्यक्तित्व (२६४— ३६५)

१. आधुनिक हिन्दी-साहित्य का कालविभाग— २६४
प्रस्तावना-युग २६४, भारतेन्दु-युग २६५, अराजकता-युग २६५, द्विवेदी-युग २६५, बाद-युग २६७, वर्तमान-युग २६७
२. आधुनिक हिन्दी-साहित्य की मुख्य विशिष्टताएं २६८
३. द्विवेदी युग के पूर्वार्द्ध का साधारण साहित्य २६८
४. द्विवेदी-युग में हिन्दी-प्रचार— २६९
काशी-नागरी-प्रचारिणी सभा और अन्य संस्थाएं २६९, प्रेसों का कार्य २७१, शिक्षासंस्थाओं का कार्य २७२, विदेशों में हिन्दी-प्रचार २७२, पत्रपत्रिकाएं २७३
५ द्विवेदी-युग की कविता— २७९
क. युगनिर्माता द्विवेदी द्वारा युगपरिवर्तन की सूचना २७९
ख. काव्यविधान— २७९
प्रबन्ध काव्य २८०, मुक्तक २८०, प्रबन्धमुक्तक २८१, गीत या गीति २८१, गद्यकाव्य २८१
ग छन्द २८५
घ. भाषा २८८
ङ विषय २९४
चित्र २९४, धर्म २९४, समाज २९६, राजनीति २९९, प्रकृति ३०२, प्रेम ३०४, अन्य विषय ३०५
च द्विवेदीयुग के चार चरण ३०६

छ. द्विवेदीयुग की कविता का इतिहास ३०६
ज. रसभावव्यंजना ३०६
झ. चमत्कार ३०७
ञ. द्विवेदीयुग की कविता का रमणीय रूप ३०८
६. नाटक ३०८
क. महान् साहित्यकारों का असफल प्रयास ३०८
ख. बहुसंख्यक नाटककारों की विविधविषयक रचनाएं ३०९
ग. द्विवेदी-युग के नाटककारों की असफलता के कारण ३१०
घ. नाटकरचना की ओर संस्थाओं का ध्यान ३११
ङ नाटकों के अनेक रूप ३१२
च. साहित्यिक नाटकों के मुख्य प्रकार ३१२
सामान्य नाटकों की कोटियां ३१२, गम्भीर एकांकी नाटक ३१४, प्रहसन ३१४, पद्यरूपक ३१५
७ उपन्यास-कहानी ३१५
क. द्विवेदी जी के आख्यायिकोपम अनुवाद ३१५
ख. द्विवेदी जी द्वारा कहानी को प्रोत्साहन ३१६
ग. द्विवेदीयुग के उपन्यासों का उद्गम ३१६
घ उपन्यासों का मूल उद्देश ३१७
ङ. विषय ३१८
च. पद्धतियां ३१९
छ. संवेदना की दृष्टि से उपन्यासों के प्रकार ३२१
ज. उपन्यास के क्षेत्र में द्विवेदी-युग की देन ३२२
झ. द्विवेदीयुग की कहानी के मूल, उद्देश और विषय ३२२
ञ पद्धतियां ३२२
ट. संवेदना की दृष्टि से द्विवेदीयुग की कहानियों का वर्गीकरण ३२६
ठ. कहानी के क्षेत्र में द्विवेदीयुग की देन ३२७
८ निबन्ध— ३२८
क. द्विवेदी-युग के निबन्धों के रूप ३२८
ख द्विवेदीयुग के निबन्धों के प्रकार ३२८
ग द्विवेदीयुग के निबन्ध की देन ३३०

९. रीति शैली ३३०
क. द्विवेदी जी द्वारा रीतिशैली-निर्माण ३३०
ख. द्विवेदी-युग की गद्यभाषा की मुख्य रीतियाँ ३३३
ग. द्विवेदीयुग की भाषाशैली का वर्गीकरण ३३४
१०. आलोचना— ३३७
क. द्विवेदीयुग की आलोचना की ६ पद्धतियाँ—
आचार्यपद्धति ३३८, टीकापद्धति ३४३, सूक्तिपद्धति ३४५, खंडनपद्धति ३४६, शास्त्रार्थपद्धति ३४६, लोचनपद्धति ३५१
ख. द्विवेदीयुग की साहित्यिक आलोचना के विषय ३६०
ग. द्विवेदीयुग की आलोचनाशैली ३६१
घ. उपसंहार ३६४

परिशिष्ट

१. काशी-नागरी-प्रचारिणी सभा को द्विवेदी जी द्वारा दिए गए दान की सूची ३६६
२. वर्णानुक्रम से द्विवेदी जी की रचनाओं की सूची ३७७
३. द्विवेदी जी द्वारा संशोधित एक लेख ३७९
४. कुछ पत्रिकाओं की विषय-सूची— ३९६
केरल-कोकिल ३९६, महाराष्ट्रकोकिल ३९८, प्रवासी ३९८, मर्यादा ३९९, प्रभा ४००, माधुरी ४०१, चाँद ४०२, मॉडर्न रिव्यू ४०४

सहायक-ग्रन्थ-सूची—४०६

अंग्रेजी-पुस्तकें, संस्कृत-पुस्तकें, हिन्दी-पुस्तकें, सामयिक-पुस्तकें